**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**30.07.2025 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1821 का उत्तर**

**असम हेतु रेलवे परियोजनाएँ**

**1821. श्री फणी भूषण चौधरी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) पूर्वोत्तर-सीमांत (एनएफ) रेलवे के अंतर्गत असम के रंगिया, लुमडिंग और तिनसुकिया मंडल में रेलवे समपारों की संख्या का ब्यौरा क्या है;**

**(ख) असम के उक्त मंडल में उपरोक्त रेलवे क्रॉसिंगों में से कितने मानवरहित समपार और आरओबी का निर्माण हो चुका है/निर्माणाधीन है;**

**(ग) क्या सरकार का असम के रंगिया, लुमडिंग और तिनसुकिया मंडल में नए आरओबी के निर्माण का विचार है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(घ) एनएफ रेलवे में वर्तमान में निर्माणाधीन रेलवे परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है, जिसमें परियोजना का नाम, लंबाई, मूल लागत, संशोधित लागत, पूरा होने की मूल तिथि और पूरा होने की अनुमानित तिथि, परियोजना-वार शामिल है;**

**(ङ) परियोजना-वार देरी के कारणों का ब्यौरा क्या है;**

**(च) एनएफ रेलवे के अधिकार क्षेत्र में अनुमानित लागत सहित पाइपलाइन में नई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और**

**(छ) सरायघाट में नए रेल-सह-सड़क पुल के निर्माण सहित प्रस्तावित अगथोरी-कामाख्या खंड की वर्तमान स्थिति क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (छ): भारतीय रेल के बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क की चालू लाइनों पर सभी बिना चौकीदार वाले समपार 31.01.2019 तक समाप्त कर दिए गए हैं। 01.04.2025 तक, रंगिया मंडल में 306, लामडिंग मंडल में 204 और तिनसुकिया मंडल में 278 चौकीदार वाले समपार मौजूद हैं।**

**भारतीय रेल में समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को मंजूरी देना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की**

गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव तथा व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और इन्हें शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-25 (जून, 2025) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार हैं:-

| अवधि | निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुल |
|---|---|
| 2004-14 | 4,148 अदद |
| 2014-25 (जून,25) | 13,426 अदद |

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 1,00,860 करोड़ रूपए की लागत से 4,402 अदद उपरि/निचले सड़क पुलों को स्वीकृत किया गया है जिनमें असम राज्य में 1288 करोड़ रूपए की लागत से 61 अदद उपरि/निचले सड़क पुल शामिल हैं जो योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

2014-25 (जून 25), के दौरान असम राज्य में 325 अदद उपरि/निचले सड़क पुलों के कार्य पूरे किए गए हैं। इस समय, रंगिया, लामडिंग और तिनसुकिया मंडलों में उपरि/निचले सड़क पुलों के स्वीकृत निर्माण कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:-

| क्र.सं. | मंडल | आरओबी/आरयूबी (सं.) | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1 | रंगिया | 26 | यह कार्य योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। |
| 2 | लामडिंग | 9 | |
| 3 | तिनसुकिया | 34 | |

किसी भी आरओबी/आरयूबी कार्य का पूरा होना समपार फाटकों को बंद करने की सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्गों के संरेखण निर्धारित करना, सामान्य व्यवस्था आरेखण (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाने, अतिलंघी साधनों को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी प्राप्तक करना, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष/कार्य स्थलों के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

1.04.2025 की स्थिति के अनुसार, असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 69,342 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 777 किलोमीटर लंबाई की 12 रेल परियोजनाओं (08 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है, जिनमें से 278 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 41,676 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:-

| योजना शीर्ष | परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई (कि.मी. में) | कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में) | मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइन | 08 | 448 | 113 | 38,078 |
| दोहरीकरण | 04 | 329 | 165 | 3,598 |
| कुल | 12 | 777 | 278 | 41,676 |

असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की कमीशनिंग की स्थिति निम्नानुसार हैं:-

| अवधि | कमीशन किए गए नए रेलपथ | नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग |
|---|---|---|
| 2009-14 | 333 कि.मी. | 66.6 कि.मी. प्रति वर्ष |
| 2014-25 | 1840 कि.मी. | 167.27 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 3 गुना) |

असम राज्य सहित पूर्वोत्तणर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचनात्मंक परियोजनाओं और अन्य् निर्माण कार्यों का औसत बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

| अवधि | परिव्यय |
|---|---|
| 2009-14 | 2,122 करोड़ रु. प्रति वर्ष |
| 2025-26 | 10,440 करोड़ रु. (लगभग 5 गुना) |

दूसरे सरायघाट रेल-सह-सड़क पुल के निर्माण कार्य को स्वीकृति दे दी गई है। कार्य शुरू करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है।

असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली परियोजनाएं जो हाल ही में पूरी हुई हैं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

| क्र. सं. | परियोजना का नाम | लागत (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|
| 1. | लिंक्ड लाइन सहित बोगीबील पुल (92 कि.मी.) | 5,820 |
| 2. | अगरतला- सबरूम नई लाइन (112 कि.मी.) | 3,170 |
| 3. | अगरतला - अखौरा नई लाइन (5 कि.मी.) | 865 |
| 4. | रंगिया-मुरकंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 कि.मी) | 3,019 |
| 5. | कुमारघाट- अगरतला आमान परिवर्तन (109 कि.मी.) | 1,242 |
| 6. | कटखल - भैरबी आमान परिवर्तन (84 कि.मी.) | 348 |
| 7. | लामडिंग-बदरपुर - सिलचर और बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 कि.मी.) | 6,500 |
| 8. | लामडिंग से होजाई दोहरीकरण (44.92 कि.मी.) | 410 |
| 9. | दिगारू - होजाई दोहरीकरण (102 कि.मी.) | 1,873.21 |
| 10. | न्यू बंगाईगाँव - आगियाठरी बारास्ता रंगिया दोहरीकरण (143 कि.मी.) | 2,048 |
| 11. | भैराबी-सैरंग नई लाइन (52 कि.मी। ) | 8,601 |

इसके अलावा, असम राज्य सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में अंशत:/पूर्णत: पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:-

| क्र. सं. | परियोजना का नाम | लागत (करोड़ रुपए में) |
|---|---|---|
| 1 | जीरीबाम-इम्फाल नई लाइन (111 कि.मी.) | 18,562 |
| 2 | दीमापुर-जुबरा (कोहिमा) नई लाइन (83 कि.मी.) | 6,663 |
| 3 | सिवोक-रंगपो नई लाइन (45 कि.मी.) | 12,133 |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | मुरकंगसलेक-पासीघाट नई लाइन (26 कि.मी.) | 984 |
| 5 | न्यू बंगाईगाँव-गोलपाड़ा- गुवाहाटी दोहरीकरण (176 कि.मी.) | 1,832 |
| 6 | कामाख्या–गुवाहाटी तीसरी लाइन (6 कि.मी.) | 395 |
| 7 | लामडिंग-फुरकेटिंग दोहरीकरण (140 कि.मी.) | 2,124 |
| 8 | सरायघाट पर नए रेल सह सड़क पुल सहित अगियाठरी-कामाख्या दोहरीकरण (7 कि.मी.) | 1,474 |

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयों की स्थापना (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करना (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के लिए निधि आबंटन में पर्याप्त वृद्धि करना (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल हैं। इनके परिणामस्वरूप, 2014 से कमीशनिंग की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

******